हिन्दी

कक्षा - VII पाठ - 1 हम पंछी उन्मुक्त गगन के (भाग 1)

शब्दार्थ

उन्मुक्त - स्वतंत्र	कटुक - कड़वी
पिंजरबद्ध - पिंजरे में बंद	तारक - तारों वाले
कनक - सोना / स्वर्ण	विहग - बाधा
नभ - गगन / आकाश	अरमान - इच्छा
जंजीर - कड़ी / जंजीर	नीड़ - घोंसला
निबौंरी - नीम का फल	नीर - पानी

प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1) हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते हैं?

उत्तर :- हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद इसलिए नहीं रहना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें स्वतंत्रता अधिक प्रिय होती है।

प्रश्न 2) पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं?

उत्तर :- पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी निम्नलिखित इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं :-

(i) खुले आकाश में विचरण करना
(ii) बहता जल पीना
(iii) पेड़ों की ऊँची-ऊँची शाखाओं पर बैठकर झूला झूलना।

Scanned by CamScanner

प्रश्नोत्तर (कक्षा- 9 पाठ- 1 हम पंछी उन्मुक्त गगन के

प्रश्न 3) भाव स्पष्ट कीजिए

या तो क्षितिज मिलन बन जाता / या तनती साँसों की डोरी।

उत्तर :- प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से कवि शिवमंगल सिंह 'सुमन' कहते हैं कि पक्षी आकाश में लंबी उड़ान भरने के लिए उत्सुक रहते हैं। वे सदैव दोनों स्थितियों को सहन करने के लिए तैयार रहते हैं। या तो वे अपने लक्ष्य तक पहुँच जाते हैं अर्थात् क्षितिज तक जा पहुँचते हैं या उड़ते-उड़ते साँस फूल जाती है और उनकी मृत्यु हो जाती है।

भाषा की बात

1) स्वर्ण-शृंखला और लाल किरण-सी में रेखांकित शब्द गुणवाचक विशेषण हैं। कविता से ढूँढ़कर इस प्रकार के तीन उदाहरण लिखिए :-

उत्तर :- इस प्रकार के तीन उदाहरण निम्नलिखित हैं :-

(i) उन्मुक्त गगन (ii) पुलकित पंख (iii) कनक कटोरी

2) 'भूखे-प्यासे' में द्वंद्व समास है। इन दोनों शब्दों के बीच लगे चिह्न को सामासिक चिह्न कहते हैं। इस चिह्न से और का संकेत मिलता है, जैसे भूखे-प्यासे = भूखे और प्यासे। इसी प्रकार के दस अन्य उदाहरण खोजकर लिखिए :-

उत्तर :- इस प्रकार के दस उदाहरण निम्नलिखित हैं :-

(i) माता-पिता → माता और पिता
(ii) भाई-बहन → भाई और बहन
(iii) अच्छा-बुरा → अच्छा और बुरा
(iv) पाप-पुण्य → पाप और पुण्य
(v) हानि-लाभ → हानि और लाभ
(vi) जीवन-मरण → जीवन और मरण
(vii) रात-दिन → रात और दिन
(viii) सच्चा-झूठा → सच्चा और झूठा
(ix) यश-अपयश → यश और अपयश
(x) फूल-पौधे → फूल और पौधे

Scanned by CamScanner